बोलती गुफा

एक भूखा शेर शिकार की खोज में जंगल में घूम रहा था ।

घूमते-घूमते वो थक गया । उसकी भूख भी बढ़ गई । अकस्मात् उसे एक गुफा नज़र आई । शेर ने सोचा कि इस गुफा में ज़रूर कोई जानवर रहता होगा । अच्छा हो मैं उस झाड़ी में छिप जाऊं । ज्यों ही वह निकलेगा मैं उसे धर दबोचूंगा ।

शेर ने काफी देर तक गुफा के बाहर इंतज़ार किया, मगर कोई भी जानवर वहाँ से बाहर नहीं आया । तब शेर ने सोचा कि लगता है वह जानवर इस वक्त गुफा में ना होकर कहीं बाहर गया है । इस लिये उसे गुफा के अन्दर जाकर उसका इंतज़ार करना चाहिए । जैसे ही वह गुफा के अन्दर आएगा वह उसे खा जाएगा ।
ऐसा सोचकर शेर गुफा के अन्दर जाकर छिप गया ।

कमशः

उस गुफा में एक गीदड़ रहता था । थोड़ी देर बाद वह वापस आया तो उसे गुफा के बाहर किसी के पैरों के निशान दिखाई दिये । उसे यह निशान किसी बड़े एवं खतरनाक जानवर के प्रतीत हुए । उसे किसी खतरे का एहसास हुआ ।
गीदड़ बहुत चालाक और सयाना था । उसने सोचा कि गुफा में जाने से पहले देखे मामला क्या है । उसने जोर से गुफा को आवाज़ लगाई – "गुफा ! ओ गुफा !" लेकिन जवाब कौन देता?
गीदड़ ने फिर आवाज़ लगाई, "अरे मेरी गुफा, तू जवाब क्यों नही देती ? आज तुझे क्या हो गया ? हमेशा मेरे लौटने पर तू मेरा स्वागत करती है । आज क्या हो गया । अगर तूने जवाब न दिया तो मैं किसी दूसरी गुफा में चला जाऊंगा ।"
गीदड़ की बात सुनकर शेर ने सोचा कि यह गुफा तो बोलकर गीदड़ का स्वागत करती है । आज मेरे यहां होने की वजह से शायद डर गई है । अगर गीदड़ का स्वागत नहीं किया तो वह चला जाएगा ।
ऐसा विचार कर शेर अपनी भारी आवाज़ में जोर से बोला – "आओ, आओ मेरे दोस्त, तुम्हारा स्वागत है ।"
शेर की आवाज़ सुनकर गीदड़ वहां से भाग गया ।

अभ्यास कार्य

नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुच्छेद की मदद से लिखिए–

प्र.1 शेर की तलाश में कौन घूम रहा था ?

.....

प्र. 2 शेर को क्या दिखाई दी ?

.....

प्र. 3 उस गुफा में कौन रहता था ?

.....

प्र. 4 गीदड़ जब लौटकर आया तो उसे क्या दिखाई दिया ?

.....

प्र. 5 शेर ने क्या सोचा ?

.....

प्र. 6 इस कहानी से हमें क्या सबक मिलता है ?

.....

प्र. 7 शेर कहाँ छिप गया ?

.....

प्र. 8 शब्दों को शुद्ध करके लिखो –

सेर – .....

अकश्मात – .....

गीदड – .....

रवीन्द्र कुमार वर्मा
पी.आर.टी.